

पद १७

(राग: केदार - ताल: दादरा)

हे प्रभो दयानिधे नी नमगे पालिसू। ज्ञान हीन नम्म मतिगे बेळकु
काणिसू॥ध्रु॥ नानु-नीनु अवळु-अवनु यारु यम्बुदु। हेगे एनो
याके यंदु एनु तिळियदू॥१॥ योग लेसो ध्यान लेसो भक्ति लेसवो।
हीन दीन मन्द मतिगे एनु तोचदू॥२॥ एनु तत्वज्ञान एनु वेद
वाक्यवू। नीति-कर्म जाति-धर्म एनु अरियेदू॥३॥ नोडी नोडदे
कंडु काणदे सुळळु नुडियदू। दैवजात कलिय काट हेगे
सहिसदू॥४॥ नाल्कु दिक्कु दिगिलु हेच्चु हेगे तडेयदू। सिद्धनागी
दारि तोरो पारवागोदू॥५॥